ISSN 2394-5303

Printing® Area

Issue-58, Vol-03 October 2019
Peer Reviewed International Refereed Research Journal

Editor
Dr.Bapu G.Gholap

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

24

डिजिटल शिक्षण व अधिगम का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्त्व

शिल्पी टाक
शोधार्थी,
जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूँ

आभा सिंह
सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग,
जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूँ

सारांश – वर्तमान डिजिटल युग में जहाँ सभी कार्य डिजिटल साधनों द्वारा किये जाने लगे हैं, तो शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। डिजिटल शिक्षण के रूप में डिजिटल साधनों ने नवीन डिजिटल साधनों व तकनीकों के प्रयोग द्वारा अधिगमकर्ता को ज्ञान, सूचना व कौशलों को अधिक प्रभावी, कुशलतापूर्वक व सुविधानुसार प्राप्त करने में डिजिटल शिक्षण व अधिगम ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल शिक्षण की यह विधि डिजिटल पेडागोजी के रूप में शिक्षण की नवाचार विधि के रूप में प्रस्तुत है। डिजिटल शिक्षण में अधिगमकर्ता समय स्थान के बंधन से मुक्त होकर कभी भी, कहीं भी ज्ञान प्राप्त कर सकता है। डिजिटल माध्यमों जैसे – सोशल मीडिया, यूट्यूब, गूगल द्वारा ज्ञान व सूचनाएं तुरन्त उपलब्ध हो जाती हैं।

डिजिटल शिक्षण ने शिक्षक की भूमिका को भी पुनः प्रस्तुत किया है। शिक्षक की भूमिका अब निर्देशक की बजाये सहायक की हो गयी है। शिक्षक विद्यार्थियों को डिजिटल साधनों के उपयोग द्वारा नवीन पेडागॉजी का उपयोग करके स्वयं सीखने में मार्गदर्शक व सहायक के रूप में कार्यरत हो रहा है।

मुल शब्द – डिजिटल शिक्षण, डिजिटल अधिगम, डिजिटल पेडागॉजी।

१. प्रस्तावना –

जीवन निरन्तर सीखने का नाम है। हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि ज्ञान सब तरफ है, जितना बांट सकते हो बांट लो, जितना सीख सकते हो सीख लो, यह कभी खत्म नहीं होगा, बल्कि बढ़ता ही जाएगा। डिजिटल तकनीकी के आविष्कार से पूर्व सीमित क्षेत्रों व साधनों द्वारा ज्ञान को प्राप्त किया जाता था परन्तु डिजिटल तकनीकी ने ज्ञान प्राप्ति के साधनों को विस्तृत रूप दे दिया है।

डिजिटल तकनीकी में डिजिटल माध्यम जैसे सोशल मीडिया, गूगल, यू–ट्यूब, ऑनलाइन लाइब्रेरी, क्लाउड कम्प्यूटिंग, इन्टरनेट, MOOC के द्वारा शिक्षा को शिक्षा को सरल, सुलभ व सबकी पहुंच में ला दिया है। डिजिटल माध्यमों ने अध्यापकों व शिक्षार्थियों को एक साधन प्रदान किया है जिसके द्वारा दूर होते हुए भी एक–दूसरे से सम्पर्क करके शिक्षा प्रदान की जा सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों ने क्रान्ति ला दी है। प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालय तक सभी विद्यार्थी डिजिटल तकनीकों द्वारा अध्ययन कर रहे हैं। विभिन्न सॉफ्टवेयर व एप्स के द्वारा विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त करने के नवीन तरीकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षण व अधिगम ने कक्षा–कक्ष शिक्षण के क्षेत्र को व्यापक कर दिया है। विद्यार्थी कक्षा–कक्ष में बैठे–बैठे नवीन तकनीकी साधनों द्वारा शिक्षण प्राप्त कर सकता है।

२. डिजिटल साधनों की व्याख्या एवं महत्त्व–

डिजिटल अधिगम के लिए अनेक उपकरण एवं साधन उपलब हैं, जिनके द्वारा डिजिटल अधिगम वातावरण निर्मित व उसे विकसित किया जा सकता है। इन्हें डिजिटल साधन कहा जाता है। ये इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी हो सकते हैं और विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण के सॉफ्टवेयर माध्यम भी हो सकते हैं।

आज की २१वीं सदी में आर.एस.एस. (सामाजिक रीडर), गूगल समुदाय, यू–ट्यूब चैनल, आई ट्यून्स यू., क्लाउड बेस्ड प्रोसेसर (गूगल ड्राइव), ड्राप बॉक्स, डिजिटल पॉकेट जैसे संसाधन डिजिटल अधिगम को सबकी पहुंच में ला रहे हैं।

Scanned by CamScanner